सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 65 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 10 अप्रैल, 2026
मूल्य ₹ 3/-

बुद्धि का विकास मानव के अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए।
-बी.आर.अम्बेडकर

मुकुल का करिश्मा: एलएसजी ने 3 विकेट से... 7 | केरल में एलडीएफ का फिर होगा... 3 | हार के डर से शिक्षामित्रों का... 2

ममता को इश्वरीय मदद बेनकाब हुए हुमायूं कबीर

आर्थिक डील का वीडियो आया समाने

» कभी ममता के सिपाहसलार थे कुछ दिन पहले बागवत कर बनाई थी अपनी पार्टी

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति वैसे भी तीखे रंगों तेज बयानों और भारी आरोपों के लिए जानी जाती है लेकिन इस बार जो सामने आया है उसने सियासी गलियारों में भूचाल खड़ा कर दिया है। बाबरी मस्जिद के पुनर्निर्माण के बयान के बाद चर्चा में आये हुमायूं कबीर का एक वायरल वीडियो ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में उथल पुथल शुरू हो गयी है।

कभी ममता के सिपाहसलार रहे हुमांयू कबीर ने पिछले दिनों पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाने का न सिर्फ एलान किया बल्कि उसकी संगे बुनियाद भी रख दी। उनके इस कदम से मुस्लमानों में उनका क्रेज बड़ गया। बाद में उन्हें तृणमूल कांग्रेस से निकाल दिया गया और उन्होंने अपनी खुद पालिटिक्ल पार्टी बना ली जिसका नाम रखा गया जनता उन्नयन पार्टी। तृणमूल कांग्रेस ने हुमांयू कबीर पर बीजेपी से 1 हजार करोड़ रूपये और डिप्टी सीएम के पद की डील का वीडियो जारी किया है। यही नहीं टीएमसी का कहना है कि वह मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव और पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के सम्पर्क में हैं। हुमांयू कबीर ने इस वीडियो को एआई से बना हुआ बताया है। वीडियो सामने आते ही आरोपों सफाइयों और राजनीतिक दूरी बनाने का सिलसिला शुरू हो गया। विपक्ष ने इसे लोकतंत्र के लिए खतरनाक बताते हुए हमला तेज कर दिया है वहीं सहयोगी दलों ने भी असहजता दिखानी शुरू कर दी है।

सहयोगियों की दूरी और बढ़ता दबाव

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हुमायूं कबीर के सियासी पार्टनर असदुद्दीन ओवैसी ने वीडियो वायरल होने के बाद उनसे अपने संबंध तोड़ दिये हैं और अकेले ही चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है। राजनीति में अवसर सहयोग और दूरी दोनों रणनीति का हिस्सा होते हैं। लेकिन इस मामले में दूरी इतनी जल्दी बन जाना यह संकेत देता है कि वीडियो ने सहयोगियों को भी असहज स्थिति में डाल दिया है।

बंगाल की राजनीति में नया तूफान

वायरल वीडियो में जनता उन्नयन पार्टी प्रमुख हुमायूं कबीर चुनावी माहौल में ध्रुवीकरण की रणनीति और उससे जुड़े भारी पैसों की चर्चा करते दिखाई देते हैं। यह क्लिप जैसे ही सार्वजनिक हुई है पूरे पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बहस का केंद्र बन गई। विपक्षी दलों ने तुरंत इसे मुद्दा बनाते हुए सवाल उठाए है कि क्या चुनावी राजनीति में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए इस तरह की रणनीतियां बनाई जाती हैं। सोशल मीडिया और राजनीतिक मंचों पर वीडियो की चर्चा तेजी से फैल गई जिससे मामला और गर्म हो गया है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी लंबे समय से विपक्ष के आरोपों का सामना करती रही हैं कि राज्य की राजनीति में ध्रुवीकरण का माहौल बनाया जाता है। इस वीडियो के सामने आने के बाद टीएमसी को जैसे नया हथियार मिल गया।

मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण के लिए बीजेपी से 1 हजार करोड़ की मांग!

दिल के अरमा आसुओं में बह गये न सनम मिला, न विसाल-ए-सनम

बाबरी मस्जिद बनवाने को लेकर चर्चा में आये थे हुमायूं कबीर

1 हजार करोड़ रूपये और डिप्टी सीएम के पद पर हुमांयू कबीर और बीजेपी की डील का वीडियो तृणमूल कांग्रेस ने जारी किया है।

बड़े राजनीतिक खेल की झलक है वीडियो : टीएमसी

टीएमसी नेता फिरहाद हकीम, अरूप विश्वास और कुणाल घोष ने संयुक्त रूप से वीडियो को दिखाते हुए आरोप लगाया है कि यह केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं बल्कि एक बड़े राजनीतिक खेल की झलक है। पार्टी का दावा है कि वीडियो में हुमायूं कबीर यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि वह भाजपा नेताओं के समर्थन से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हराने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। टीएमसी का कहना है कि भाजपा धर्म के आधार पर राजनीति को हवा देने की कोशिश कर रही है और इसके

लिए ऐसे चेहरों का इस्तेमाल किया जा रहा है जो पहले अलग अलग दलों से जुड़े रहे हैं। फिरहाद हकीम ने कहा है कि भाजपा हुमायूं कबीर का इस्तेमाल कर रही है और उन्हें दल बदलू करार दिया। वायरल वीडियो में कुछ बेहद विवादित बयान भी सामने आए हैं जिनमें समुदायों के वोटों को लेकर टिप्पणियां और सत्ता परिवर्तन के लिए रणनीतिक बातचीत का दावा किया गया है। अगर यह बातें सही साबित होती हैं तो यह न केवल राजनीतिक आचरण पर सवाल उठाती हैं बल्कि चुनावी नैतिकता को भी कटघरे में खड़ा करती हैं। सवाल बड़ा है कि क्या यह सिर्फ एक व्यक्ति की बयानबाजी है या फिर पश्चिम बंगाल की राजनीति में चल रहे उस अदृश्य खेल का हिस्सा जहां आरोप वीडियो और नैरेटिव मिलकर चुनावी जमीन तैयार करते हैं। फिलहाल इतना तय है कि यह वीडियो केवल एक क्लिप नहीं बल्कि एक ऐसा सियासी हथियार बन चुका है जिसने बंगाल की राजनीति में तापमान कई डिग्री बढ़ा दिया है। इस वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।

हार के डर से शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाया : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा को घेरा है। उन्होंने भाजपा सरकार द्वारा शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाने को दिखावटी करार दिया है। सपा प्रमुख ने एक्स पर शिक्षामित्रों के नाम पत्र लिखा है। सपा प्रमुख ने इसमें लिखा, 'हमारे समय में आपको 40 हजार रुपये मिलते थे।

नौ वर्षों के अत्याचार के बाद, शिक्षक मित्रों की एकता, एकजुटता व आक्रोश से भयभीत होकर भाजपा सरकार ने दिखावटी कृपा करते हुए वेतन में वृद्धि तो की, लेकिन केवल 18 हजार रुपये तक और वह भी हार के भय से। यदि भाजपा वास्तव में हितैषी है, तो उसे पिछले वर्षों का बकाया भी चुकाना चाहिए। सपा प्रमुख ने आगे लिखा कि भाजपा सरकार की उपेक्षा के कारण शिक्षक मित्रों को वर्षों से हर महीने 22 हजार का नुकसान उठाना पड़ा है। इसे एक प्रतीकात्मक राशि मानते हुए, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के सभी पीड़ित शिक्षक मित्र अपने परिवारों, रिश्तेदारों, शुभचिंतकों और आसपास के लोगों के साथ एकजुट होकर भाजपा के विरुद्ध 22 हजार वोट डालेंगे। भाजपा ऐसे शिगूफे छोड़ती है जिससे लोगों का ध्यान इनके भ्रष्ट शासन-प्रशासन की ओर न जाए और लोगों की भावनाओं का दुरुपयोग कर, ये लोग अपना स्वार्थ सिद्ध करते रहें।

भाजपा को पराजित करने और पीडीए सरकार बनाने का संकल्प

भाजपा को पराजित करने और पीडीए सरकार बनाने का संकल्प लेंगे। भाजपा के अत्याचार के कारण जिन शिक्षक मित्रों ने अपनी जान गंवाई है, उनके परिवारों के साथ हम भविष्य में भी खड़े रहने और उनका समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।पीडीए सरकार के आने पर शिक्षक मित्रों का सम्मान, आदर और वेतन बढ़ेगा। वहीं पार्टी की ओर से जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि भाजपाई संगी-साथियों की विभाजनकारी नीतियां अपने ही देश के लोगों को एक-दूसरे से डराती हैं, लड़ाती हैं।

भाजपा राजस्थान के विकास को रोक रही : टीकाराम जूली

» रिफाइनरी को लेकर गहलोत बोले- भाजपा ने सात साल पीछे किया विकास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। जयपुर में रिफाइनरी और मेट्रो परियोजनाओं को लेकर सियासत एक बार फिर तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश के विकास को जान-बूझकर रोका गया। उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के बयानों को भ्रामक बताते हुए कहा कि पचपदरा रिफाइनरी परियोजना कांग्रेस सरकार की दूरदर्शी सोच का परिणाम है।

जूली के अनुसार रिफाइनरी का शिलान्यास वर्ष 13 में कांग्रेस शासन के दौरान हुआ था लेकिन उसके बाद आई भाजपा सरकार ने राजनीतिक कारणों से इस परियोजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया। उनका दावा है कि यदि उस समय कार्य नहीं रोका जाता तो यह परियोजना समय पर पूरी हो जाती और इसकी लागत में आई भारी वृद्धि से बचा जा सकता था। वर्तमान में इसकी लागत लगभग दोगुनी होकर 80 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचने का जिम्मेदार उन्होंने भाजपा को ठहराया। उन्होंने कहा कि दिसंबर 18 में कांग्रेस सरकार बनने के बाद रिफाइनरी कार्य को फिर से गति दी गई और तेजी से काम आगे बढ़ाया गया। जूली ने आरोप लगाया कि अब जब परियोजना पूर्णता के करीब है, भाजपा इसका श्रेय लेने की कोशिश कर रही है, जबकि वास्तविक काम कांग्रेस के कार्यकाल में हुआ। जयपुर मेट्रो को लेकर भी उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा। उनका कहना है कि मेट्रो का विचार, योजना और क्रियान्वयन कांग्रेस सरकार की देन है लेकिन भाजपा ने इसे बार-बार बाधित किया। उन्होंने इसे अटकाने, लटकाने और भटकाने की राजनीति करार दिया। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी रिफाइनरी परियोजना को इंतजारशास्त्र का सबसे बड़ा उदाहरण बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार के कारण इसमें सात साल की देरी हुई। उन्होंने 21 अप्रैल को प्रस्तावित उद्घाटन को सकारात्मक बताया लेकिन साथ ही पेट्रो केमिकल जोन के विकास और स्थानीय व्यापारियों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

एकनाथ शिंदे से माफी नहीं मांगूगा : कुणाल कामरा

» उपमुख्यमंत्री पर टिप्पणी मामले में विधानमंडल समिति के समक्ष पेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा को महाराष्ट्र विधानमंडल की एक समिति के समक्ष पेश हुए और कहा कि उन्हें उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ की गई टिप्पणी पर कोई पछतावा नहीं है तथा वह इसके लिए माफी नहीं मांगेंगे।

कामरा ने बाद में एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वह अपनी टिप्पणी पर कायम हैं और दिखावटी माफी नहीं मांगेंगे। कामरा के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस जारी होने के बाद उनके खिलाफ शिकायत की जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया था। स्टैंडअप कॉमेडियन ने कहा, आज शाम मुझसे

हुई जिरह के आखिरी तीन सवाल मुझे इस तरह याद हैं - क्या आपको पछतावा है? नहीं। क्या आपको अपने कहे पर खेद है? नहीं। अगर आप बिना शर्त माफी मांगते हैं, तो इस मामले को अलग नजरिये से देखा जाएगा - नहीं, मैं ऐसा नहीं कर सकता, क्योंकि माफी सच्ची नहीं होगी और यह अन्य कलाकारों एवं उनकी स्वतंत्रता के लिए एक गलत मिसाल कायम करेगी।

हरियाणा अपराध का गढ़ बना : ढांढा

» आप का सैनी सरकार पर बड़ा हमला, तीन-चार दिन पहले घरों दिनदहाड़े हुई थी हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी ने झज्जर में एक फाइनेंसर की दिनदहाड़े हत्या को लेकर हरियाणा की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है, और राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था का आरोप लगाते हुए इसे अपराध का गढ़ बताया है। आप ने इस मुद्दे पर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा कि भाजपा ने हरियाणा को अपराध का राज्य बना दिया है।

हरियाणा के झज्जर में हुई एक भयावह हत्या का जिक्र करते हुए ढांडा ने कहा कि तीन-चार हमलावर दिनदहाड़े एक घर में घुस आए, 14 गोलियां चलाईं और फरार हो गए, जबकि पुलिस और राज्य सरकार सोती रहीं।क्क नेता ने एक्स पर लिखा कि हैरानी की बात यह है कि कांग्रेस, जो पंजाब में किसी भी घटना पर कानून-व्यवस्था को

लेकर हंगामा मचाने का कोई मौका नहीं छोड़ती, हरियाणा में मुख्य विपक्षी दल होने के बावजूद चुप है। उन्होंने पूछा कि कांग्रेस का हरियाणा में भाजपा सरकार से इतना लगाव क्यों है? इस तरह के रिश्ते को आप क्या कहेंगे? यह गोलीबारी की घटना बुधवार को झज्जर जिले के दिघल गांव में हुई, जहां अपने घर के बाहर हुक्का पी रहे एक फाइनेंसर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें हथियारबंद हमलावर अपराध करते नजर आ रहे हैं। इस बीच, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। खबरों के अनुसार, मृतक की पहचान दिघल गांव निवासी 26 वर्षीय साहिल उर्फ सोनू के रूप में हुई है।

गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल साहिल को रोहतक के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो एसयूवी में आए हमलावरों ने 10 से 15 गोलियां चलाईं, जिनमें से कई गोलियां साहिल को लगीं। गोलीबारी की आवाज से गांव में दहशत और अफरा-तफरी मच गई। घटना का वीडियो फुटेज भी सामने आया है। इसमें काले रंग की स्कॉर्पियो में सवार तीन या चार हमलावर गेट से घर में प्रवेश करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने घर के आंगन में बैठे साहिल पर लगातार गोलियां चलाईं।

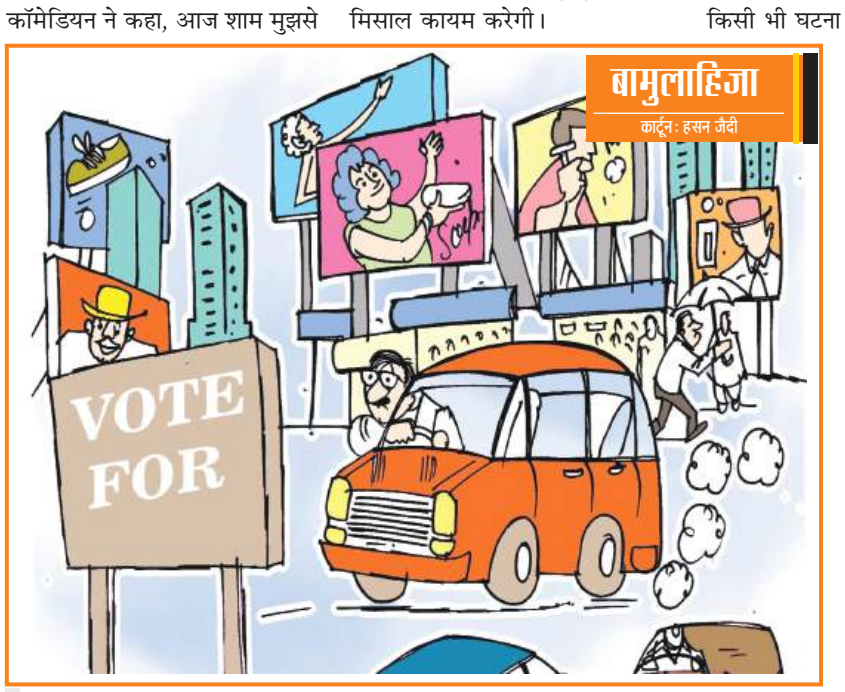

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

पाकिस्तान की मध्यस्थता सराहनीय कदम : अब्दुल्ला

सीएम बोले- युद्धविराम विफल हुआ तो जिम्मेदारी इस्राइल की होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर । उमर अब्दुल्ला ने पाकिस्तान द्वारा मध्यस्थता में किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने वह किया जो अन्य देशों ने नहीं किया। उन्होंने इस्राइल द्वारा लेबनान में की जा रही बमबारी और निर्दोष नागरिकों की हताहतियों का हवाला देते हुए कहा कि ऐसे हालात में युद्धविराम टिक सकता है या नहीं।

यदि युद्धविराम विफल होता है, तो जिम्मेदारी पूरी तरह से इस्राइल की होगी, ईरान की नहीं। इसलिए अमेरिका को इस्राइल पर कुछ संयम बरतना चाहिए। उमर अब्दुल्ला ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की लगातार बदलती भाषा

और धमकियों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के शब्द उपयुक्त नहीं हैं और यदि आम व्यक्ति ऐसा करता तो उसके खिलाफ कार्रवाई होती लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए ऐसा नहीं होता।उन्होंने ईरान-यूएस संघर्ष के उद्देश्य और युद्ध के वास्तविक लाभ पर सवाल उठाते हुए कहा कि युद्ध के बाद ईरान ने हॉर्मुज की जलडमरूमध्य से शुल्क वसूलने का अवसर बनाया जबकि युद्ध से पहले यह मार्ग सभी के लिए खुला और निशुल्क था। उमर अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि भारत-पाकिस्तान के रिश्तों की तुलना में भारत-इस्राइल के निकट संबंध ने भारत को मध्यस्थता का भूमिका निभाने से रोका। उन्होंने कहा कि युद्धविराम एक सकारात्मक पहल है और यदि इसमें पाकिस्तान ने योगदान दिया, तो इसे स्वीकार करना चाहिए।

केरल में एलडीएफ का फिर होगा जलवा

यूडीएफ की जादू से ढहेगा वामदलों का किला

» ब्रांड पिनराई फिर से इतिहास रचाएंगे

» या भाजपा बन सकती है किंग मेकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बृहस्पति 9 अप्रैल को तीन राज्यों में मतदान संपन्न हो गए। वोटरों ने सियासी दलों की किसमत ईवीएम में बंद कर दी। 4 मई को रिजल्ट आएगा। केरल बहुत महत्वपूर्ण है। राज्य की विजयन सरकार फिर सरकार बनाने के लिए मैदान में है तो भाजपा व कांग्रेस सता पाने के लिए जीत तोड़ मेहनत कर रही हैं। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन 7 अप्रैल तक सभी सियासी दलों ने जमकर जनता के बीच प्रचार किया।

वहीं वोटों की गिनती 4 मई को होगी। राज्य में इस बार बीजेपी की एंट्री के बाद से त्रिकोणीय मुकाबला नजर आ रहा है। वहीं केरल सरकार द्वारा ज्योति योजना की शुरूआत की गई। यह योजना प्रवासी बच्चों को राज्य की शिक्षा प्रणाली और आंगनवाड़ियों में शामिल करने का एक व्यापक अभियान है। यह योजना उन प्रवासी श्रमिकों के बच्चों की उपेक्षा को दूर करने की कोशिश करती है। केरल सरकार द्वारा ज्योति योजना की शुरूआत की गई है। यह योजना प्रवासी बच्चों को राज्य की शिक्षा प्रणाली और आंगनवाड़ियों में शामिल करने का एक व्यापक अभियान है। सरकार द्वारा शुरू की गई इस पहल का मुख्य फोकस स्वास्थ्य, शिक्षा में समावेशन और कल्याण पर है। यह योजना उन प्रवासी श्रमिकों के बच्चों की उपेक्षा को दूर करने की कोशिश करती है। जोकि बार-बार जगह बदलने और जरूरी डॉक्यूमेंट्स की कमी की वजह से औपचारिक शिक्षा प्रणाली से अक्सर बाहर रह जाते हैं। मई 25 में ज्योति योजना केरल सरकार द्वारा प्रवासी बच्चों को शैक्षणिक संस्थानों में नामांकित करने के लिए शुरू किए गए जनसंपर्क अभियान के दौरान लॉन्च की गई थी। केरल सरकार के चौथे स्थापना वर्ष के मौके पर यह शुरू की गई है। यह पहल शिक्षा के जरिए से प्रवासी समुदायों को सामाजिक मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण नीति कदम है।

मात्र केरल ऐसा राज्य है, जहां पर वामपंथी दल सत्ता में

पूरे देश में एकमात्र केरल ऐसा राज्य है, जहां पर वामपंथी दल सत्ता में है। साल 2021 में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट ने सत्ता में वापसी करके सभी को चौंका दिया था। हालांकि यह चुनाव परिणाम राज्य के पैटर्न से बिल्कुल भी अलग था। पूरे देश में एकमात्र केरल ऐसा राज्य है, जहां पर वामपंथी दल सत्ता में है। साल 2021 में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट ने सत्ता में वापसी करके सभी को चौंका दिया था। हालांकि यह चुनाव परिणाम राज्य के पैटर्न से बिल्कुल भी अलग था। 5 साल पहले यह जीत वामपंथ से अधिक पिनाराई ब्रांड की सफलता मानी गई थी। ऐसे में एक बार से साल 26 के केरल विधानसभा चुनाव में पिनराई विजयन से चमत्कार की उम्मीद कर रहे हैं। अगर राज्य में वाम मोर्चा यानी की तीसरी बार सत्ता में वापसी करती है, तो इतिहास बन जाएगा। लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट: लेफ्ट डेमोक्रेटिक फंट पार्टी की उम्मीदें अपनी योजनाओं के अलावा ब्रांड पिनराई पर भी टिकी हैं। केरल में उनकी छवि ऐसे नेता की है, जिन्होंने साधारण परिवार में जन्म होने के बाद संघर्षों के बाद राजनीति में उच्च पद हासिल किया है। उनका व्यक्तित्व दबंग शैली का है और उनके आलोचक व्यक्तिगत हमले से परहेज करते हैं।

भारतीय जनता पार्टी की एंट्री के बाद से त्रिकोणीय मुकाबला

राज्य में इस बाद भारतीय जनता पार्टी की एंट्री के बाद से त्रिकोणीय मुकाबला नजर आ रहा है। इससे पहले केरल में अधिकतर दो तरफा चुनाव देखने को मिले थे। चुनावी मैदान में एनडीए ने अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। बता दें कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी ने अपना चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। जिसकी कमान खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ले रखी है। बताया जा रहा है कि इस भारतीय जनता पार्टी का फोकस प्रदेश की 30 सीटों पर है। पार्टी का मानना है कि अगर उनका 30 सीटों पर अच्छा प्रदर्शन रहेगा, तो प्रदेश में गठबंधन को मजबूती मिलेगी।

पार्टी के प्रमुख नेता

ई के नयनार, वी एस अच्युतानंदन और वर्तमान सीएम पिनराई विजयन ने एलडीएफ सरकारों का नेतृत्व किया है। वहीं साल 21 के विधानसभा चुनावों में पिनाराई विजयन के नेतृत्व में एलडीएफ ने भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की। यह 40 से अधिक सालों में पहली बार था, जब राज्य में किसी मौजूदा सरकार को जनता ने दोबारा मौका दिया था।

पार्टी का गठन

साल 1980 के आसपास एलडीएफ का गठन हुआ था। जब मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व में वामपंथी दलों ने एकजुट होकर चुनाव लड़ने का फैसला किया था। फिर साल 1980 के चुनाव में ई के नयनार के नेतृत्व में पहली बार एलडीएफ की सरकार बनी थी।

विजयन ने तोड़ी केरल चुनाव की परंपरा

केरल के चुनावी इतिहास हमेशा सत्ता परिवर्तन की परंपरा रही है। वहीं साल 21 में विजयन के नेतृत्व में एलडीएफ ने इस चक्र को तोड़ दिया है। इस दौरान साल पार्टी ने 140 में से 99 सीटें जीतकर सभी को हैरान कर दिया था। लेकिन तब इसको राजनीतिक संयोग माना गया था। लेकिन साल 26 के चुनाव करीब आते ही एलडीएफ के हैट्रिक की चर्चाएं फिर से शुरू हो गई हैं।

भाजपा का बढ़ता जनाधार

पिछले दस सालों में केरल राज्य में भारतीय जनता पार्टी का जनाधार बढ़ा है। हाल ही में तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया था और अपना कब्जा जमाया था। इसके अलावा लोकसभा चुनाव में भी त्रिशूर सी से सुरेश गोपी ने जीत हासिल की थी। साल 26 के विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए ने 140 सीटों पर अपनी पूरी ताकत से उतर रही है। पार्टी ने विकसित केरल के वादे के साथ वामपंथ के खिलाफ एक मजबूत ऑप्शन के रूप में उभरने का ब्लूप्रिंट तैयार किया है। सुशासन, विकास, और मोदी की गारंटी के आधार पर एनडीए ने केरल की राजनीति में किंगमेकर या फिर इससे अधिक की भूमिका का लक्ष्य रखा है।

2.71 करोड़ मतदाताओं ने किया 883 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला

केरल में लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव अपने निर्णायक पड़ाव पर पहुंच गया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रतन यू केलकर ने घोषणा की थी 9 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए सभी प्रशासनिक और सुरक्षा तैयारियां पूरी कर ली गईं। इस चुनाव में 140 विधानसभा सीटों के लिए 883 उम्मीदवार मैदान में हैं। केलकर ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि राज्य में 30,495 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इनमें 24 सहायक मतदान केंद्र भी शामिल हैं, जिनकी आवश्यकता मतदाता सूची के विशेष गहन पुनीक्षण (एसआईआर) के बाद पड़ी। केलकर के मुताबिक, केरल के कासरगोड, कन्नूर, पलक्कड़, मलप्पुरम और एर्नाकुलम जिलों में नये मतदान केंद्र स्थापित किए गये। उन्होंने बताया कि इन मतदान केंद्रों में से 352 का संचालन महिलाएं और 37 का संचालन दिव्यांग व्यक्ति करेंगे। केलकर के अनुसार, 140 वितरण और संग्रह केंद्र स्थापित किए गए हैं तथा मतपत्रों की गिनती 140 स्ट्रांग रूम में की जाएगी। उन्होंने कहा, चुनाव प्रक्रिया के प्रबंधन के तहत, हमने 1.46 लाख प्रशिक्षित चुनाव अधिकारियों को तैनात किया है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए 76, हजार पुलिस कर्मियों और केंद्रीय बलों के कर्मियों को तैनात किया गया है। इस बार निर्वाचन आयोग ने 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के लिए होम वोटिंग की सुविधा दी थी। सीईओ केलकर के अनुसार, इस श्रेणी में 96 प्रतिशत से अधिक पात्र मतदाताओं ने पहले ही अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया है, जो लोकतांत्रिक भागीदारी का एक सुखद संकेत है। केरल में इस बार मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ एलडीएफ, विपक्ष यूडीएफ और एनडीए के बीच है। जहां मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाला एलडीएफ लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रहा है, वहीं कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ सत्ता परिवर्तन के अपने पारंपरिक चक्र को दोहराने की कोशिश में है।

केरल सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए खोला खजाना

केरल सरकार द्वारा अपने कर्मचारियों के लिए 1 अप्रैल 26 से निश्चित पेंशन योजना लागू करने का आदेश कर दिया गया है। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली की जगह न्यूनतम पेंशन सुनिश्चित करने वाली एक निश्चित पेंशन योजना शुरू किए जाने की बात की गई थी। इसमें राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली की जगह न्यूनतम पेंशन सुनिश्चित करने वाली एक निश्चित पेंशन योजना शुरू किए जाने की बात की गई थी। हालांकि अधिकतम पेंशन के लिए 30 साल की अर्हक सेवा जरूरी होगी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक 1 अप्रैल 26 से सरकारी सेवा में आने वाले कर्मचारी निश्चित पेंशन योजना चुन सकते हैं। या फिर एनपीएस के तहत बने रह सकते हैं। वहीं यह भी कहा गया है कि वर्तमान समय में एनपीएस के तहत नामांकित मौजूदा कर्मचारियों को भी इस निश्चित पेंशन योजना में जाने का ऑप्शन दिया जाएगा। निश्चित पेंशन योजना के तहत ज्यादातर पेंशन सेवानिवृत्ति के समय प्राप्त मूल वेतन का 50 प्रतिशत होगी। जिसका निर्धारण राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत वेतनमान के आधार पर किया जाएगा। पेंशन राशि के लिए एक्स्ट्रा महंगाई राहत भत्ता भी देय होगा। अधिकतम पेंशन का मात्र होने के लिए कर्मचारियों को 30 साल की अर्हक सेवा पूरी करनी होगी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि योजना के विस्तृत दिशा-निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

औद्योगिक अपशिष्ट रोकने में सख्ती जरूरी

देश के कई हिस्सों में प्रदूषण एक बड़ी समस्या है। वो वायु हो, जल हो या औद्योगिक। इनको प्रदूषित करने वाले अपशिष्ट रोकने में सख्ती जरूरी है। पर यह समस्या सिर्फ तकनीक की ही नहीं, इच्छाशक्ति और जवाबदेही से कम हो सकती है। जल प्रदूषण के लिए जिम्मेदार कारकों में औद्योगिक अपशिष्ट का नदी-नालों में विसर्जन सबसे अहम है। देश की नदियां भी इस संकट से जूझ रही हैं। देर से ही सही कई शहरों में प्रदूषित होती जा रही नदियों के लिए सरकारों ने सुध ली है। मुख्य सचिव स्तर के अधिकरी के निरीक्षणों के बाद अब नदियों में प्रदूषित जल छोड़ने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। हालांकि अभी यह दिल्ली व अन्य बड़े शहरों में ज्यादा तेजी से दिखाई दे रही है। देखने में आ रहा है कि देशभर में नदियों के पानी को जहर बनाने का काम लगातार जिम्मेदारों की अनदेखी की वजह से हो रहा है। औद्योगिक अपशिष्ट का बहना और नदियों में बड़े-बड़े निमार्ण इकाइयों का जहरीला पानी, ये सब मिलकर भयावह तस्वीर पेश करते हैं।

देशभर में नदियों के पानी को जहर बनाने का काम लगातार जिम्मेदारों की अनदेखी की वजह से हो रहा है। औद्योगिक अपशिष्ट का बहना और नदियों में बड़े-बड़े निमार्ण इकाइयों का जहरीला पानी, ये सब मिलकर भयावह तस्वीर पेश करते हैं।

चिंता इस बात की भी है कि नदियों में अपशिष्ट का प्रवाह सिर्फ पर्यावरणीय संकट ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, कृषि और हमारी पीढ़ियों के अस्तित्व का भी सवाल है। कॉमन एफलुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) और सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) जैसे समाधान वर्षों से मौजूद हैं, लेकिन उनकी कार्यक्षमता और निगरानी पर बड़ा प्रश्नचिह्न है। उदाहरण के लिए राजस्थान में हैरत की बात देखी गई सांगानेर का सीईटीपी, जिसकी क्षमता 12.3 एमएलडी बताई जाती है, पूरी क्षमता से नहीं चल रहा। 1200 में से सैकड़ों इकाइयां अब भी इससे जुड़ी नहीं हैं। ऐसे यूपी, दिल्ली व अन्य राज्यों में भी सीटीपी क्षमता से कम की स्तर के हैं। सरकारों से ऐसे में यह पूछना लाजिमी है, जब सिस्टम मौजूद है, तो प्रदूषण क्यों नहीं रुक रहा? दरअसल, समस्या तकनीक की नहीं, इच्छाशक्ति और जवाबदेही की है। उद्योगों के लिए नियम हैं, लेकिन उनका पालन सुनिश्चित करने वाला तंत्र कमजोर है। एक और गंभीर पहलू है, जनभागीदारी का अभाव। जब तक स्थानीय समुदाय इस गंभीर मुद्दे पर आगे नहीं आएंगे तब तक प्रशासनिक सक्रियता सफल भी नहीं हो सकती। हर नाले को ट्रीटमेंट प्लांट से जोड़ना, उद्योगों को नियमों के दायरे में लाना, उल्लंघन पर त्वरित कार्रवाई यही वह रास्ता है, जो नदियों को फिर से जीवन दे सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ममता का विजय रथ रोकने को भाजपाई चक्रव्यूह

केवल तिवारी

पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में इस बार मुकाबला बहुकोणीय लग रहा है। मुख्य मुकाबला प्रदेश में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस यानी टीएमसी और केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के बीच है। कई मामलों में बेहद अहम इस राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होना है। राज्य में भाजपा के मुकाबले अन्य पार्टियों की एकता नहीं बन पायी। अनेक वामपंथी संगठनों को इस बात का मलाल है कि भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर नहीं लड़ा जा रहा है। वामपंथ के किले को ढहाकर सत्ता में आईं ममता बनर्जी लगातार तीन बार से मुख्यमंत्री हैं। चौथी बार सत्ता पर काबिज होने की कोशिश में जुटी टीएमसी कई मुद्दों पर भाजपा को घेर रही है। पड़ोसी राज्य असम की तरह ही पश्चिम बंगाल में भी कुछ समीकरण समान लग रहे हैं।

असम में पूर्व में कांग्रेसी रहे हैं, फिर से कुर्सी संभालने की जुगत में हैं तो यहां कभी ममता के करीबी रहे सियासी धुरंधर उनकी राजनीतिक पिच को खोदने में लगे हैं। बात चाहे भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की हो या फिर अलग पार्टी बनाकर मैदान में उतरे हुमायूं कबीर की। इन सबके बीच कांग्रेस अपने तरीके से जोर लगा रही है और वामपंथियों को उम्मीद है कि उनका वोट शेयर इस बार बढ़ेगा। अलग-अलग सियासी दलों के मैदान में उतरे होने से मुद्दे भी उतने ही ज्यादा हैं। यानी मुद्दों की खिचड़ी को पकाने की कोशिश की जा रही है, जबकि 'माछ-भात' को राजनीति की 'डाइनिंग टेबल' पर परोसे जाने की भी कोशिश है। चुनाव की घोषणा होते ही निर्वाचन आयोग ने राज्य के कई शीर्ष अफसरों का तबादला कर दिया। टीएमसी ने आरोप लगाया कि यह सब भाजपा के इशारे पर हो रहा है। राज्य सरकार इन तबादलों के खिलाफ हाईकोर्ट भी गयी, हालांकि कलकत्ता हाईकोर्ट ने निर्वाचन आयोग की ओर से प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के किए गए तबादले को चुनौती देने वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। इधर, केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा इस बार पिछली बार के मुकाबले ज्यादा जोर लगाती दिख रही है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लगातार 15 दिन राज्य में रहे। शाह भाजपा के मुख्य चेहरा शुभेंदु अधिकारी के नामांकन के दौरान भी मौजूद रहे। अधिकारी, ममता को उन्हीं के गढ़ में चुनौती दे रहे हैं और दो जगहों से चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि भाजपा ने अभी किसी को भी मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं किया है। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा है कि पार्टी ने

इस मुद्दे पर कोई फैसला नहीं लिया है और वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा उनके विकास के एजेंडे के नाम पर वोट मांगेगी। चुनावी रण में रोचक मुद्दों के बीच, पश्चिम बंगाल का मशहूर 'माछ-भात' (मछली की तरीदार सब्जी और चावल) को राजनीति की मेज पर लाने की कोशिश हो रही है। भाजपा जहां हिंदुत्व को मुद्दा बनाने की शुरू से ही कोशिश में रही है, वहीं टीएमसी 'माछ-भात बंगाली' को मुद्दा बना रही है। इस मसले का कोई विरोध कर भी नहीं सकता। असल में, टीएमसी ने इस भावना को सियासी धार देने की कोशिश करते हुए तर्क दिया है कि भाजपा हिंदी भाषी व उत्तर भारत की शाकाहार-समर्थक राजनीति से जुड़ी है और पश्चिम बंगाल की सांस्कृतिक पहचान के साथ उसका कोई मेल नहीं। पार्टी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बंगाल प्रवास के दौरान भी तंज कसा कि आप राजनीति की रोटियां सेकने आए हैं तो माछ-भात का लुत्फ जरूर उठाएं। एसआईआर की सुप्रीम जांच के आदेश के बीच, न्यायिक अधिकारियों की घेराबंदी को भाजपा जोरशोर से उठा रही है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी रैली में इसे उठा रहे हैं।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के विरोध में सबसे मुखर रहने वालीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा को कई अन्य मुद्दों पर भी घेर रही हैं। भाजपा घुसपैठ के मुद्दे को पकड़े हुए है। कांग्रेस और वामपंथियों की कोशिश स्थानीय मुद्दों को हवा देने की है। सत्ता-विरोधी लहर की चुनौती भी झेल रही ममता के भतीजे अभिषेक 'फायर ब्रांड' नेता की तरह उभरे हैं। उनकी इस छवि को जनता कितना तवज्जो देगी, यह तो समय बताएगा। हुमायूं कबीर और असदुद्दीन ओवैसी की जोड़ी अल्पसंख्यक वोटों में सेंध लगाने की कूवत रखती तो दिख रही है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानी एआईएमआईएम के प्रमुख ओवैसी ने टीएमसी के पूर्व विधायक हुमायूं कबीर द्वारा गठित आम जनता उन्नयन पार्टी का समर्थन किया है।

कबीर ने 'बाबरी' मस्जिद की नींव रखकर मुस्लिम मतदाताओं पर डोरे डालने की कोशिश की है। सियासत के इस बदलाव के बीच कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज में दुष्कर्म और हत्या का मामला भी मुद्दा बना है। पानीहाटी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा ने मृतक छात्रा की मां रत्ना देबनाथ को उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता निर्मल घोष के बेटे तीर्थंकर घोष से है। देखना होगा कि मुद्दों की खिचड़ी में 'माछ-भात बंगाली' क्या गुल खिलाएगा।

रणनीति में युद्ध समाप्ति कला की अहमियत

लेफ्टिनेंट जनरल एसएस मेहता सेवानिवृत्त

आजकल युद्ध खत्म नहीं होते। खिंचते जाते हैं, अपना स्वरूप बदल रहे हैं और खुद को जायज ठहराते हैं। यह रणनीति नहीं है। यह रणनीतिक रूपरेखा की असफलता है। मैंने युद्धों को खत्म होते देखा और उन्हें खत्म होने से इनकार करते भी। सेना में, हमें युद्ध शुरू करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। हम आरंभिक व्यूह रचना, जोरदार हमले, शत्रु का घेरा तोड़ने व इच्छाशक्ति कुचलने का अध्ययन करते हैं। युद्ध का विस्तार करना समझते हैं। लेकिन एक अन्य शांत अनुशासन है जो कभी रणनीति को परिभाषित करता था, लेकिन अब धीरे-धीरे धुंधला रहा है। वह है, रुकने की कला। जिन संघर्षों का अंत बढ़िया हुआ, उनकी संरचना सीधी-सादी थी। दुश्मन को पूरी तरह मिटाना नहीं, बल्कि उद्देश्य में स्पष्टता रखना। तब, किसी में इतनी हिम्मत होती थी कि वह फैसला कर सके कि मिशन पूरा हो गया है।

इसलिए नहीं कि दुश्मन का खात्मा हो गया, बल्कि इसलिए कि काम पूरा हो गया था। बल का इस्तेमाल हुआ। तयशुदा सीमा तक पहुंचे। फिर आया सबसे मुश्किल आदेश- रुको। घर वापसी करो। आज, वह माददा गायब है। कोई फैसला नहीं करता। संघर्ष खिंचते रहते हैं। बिना किसी तय अंत वाला युद्ध कोई अभियान नहीं होता। यह तो जान-माल की हानि के साथ भटकाव है। भारत का 'गोल्ड स्टैंडर्ड' (सर्वोच्च मानक) हमें किसी मानक की तलाश करने की जरूरत नहीं है। साल 1971 में, भारत ने आधुनिक इतिहास के सबसे निर्णायक अभियानों में से एक को अंजाम दिया। यह सिर्फ जीत नहीं थी। यह उसके बाद बरते गए संयम का उदाहरण था। हम वहां रुके नहीं रहे। हमने अपनी जीत को कब्जे में नहीं बदला। हमें भान था कि 'पूरा हुआ काम' कैसे दिखता है। 1988 में मालदीव में, हमने दखल दिया, व्यवस्था बहाल की और वापसी कर ली। पीछे कुछ बाकी नहीं छोड़ी। कोई अन्य एजेंडा नहीं। प्रभाव अधिकतम, दखल न्यूनतम। यहां तक कि श्रीलंका में भी, जहां पर हालात बहुत पेचीदा थे, हमने तब पीछे हटने का अनुशासन दिखाया, जब हमें लगा कि अब वहां से कुछ खास हासिल नहीं होने वाला।

भारत का संयम सिर्फ इसमें नहीं था कि उसने क्या किया, बल्कि इस बात में भी था कि उसने किन चीजों पर हमला न करना चुना। बुनियादी ढांचे को कभी भी निशाना नहीं बनाया। इसी आधारभूत ढांचे पर किसी भी समाज का जीवन टिका होता है। इसे तबाह करने का मतलब है, उन्हीं लोगों को सजा देना जिनके नाम पर अक्सर युद्धों को सही ठहराया जाता है। इसी अनुशासन ने हमारी वैधता को बनाए रखा। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर गौर कीजिए। सटीक। तय परिधि में। उद्देश्यपूर्ण। लक्ष्य हासिल। काम पूरा। और फिर रुक जाना। हरेक मामले में, परिणामों ने साधनों को परिभाषित किया। लेकिन अब साधन खुद मकसद बनने का जोखिम उठा रहे हैं। सिद्धांत के रूप में भटकाव हम इसे 'हाइब्रिड वॉर', ग्रे जोन या सोच-समझकर पैदा की गई अस्पष्टता कहते हैं। धरातल पर यह सरल दिखता है। सिद्धांत के आवरण में भटकाव।

पश्चिम एशिया में, उद्देश्य बदलते रहते हैं जबकि युद्ध जारी है। कोई दिन निर्णायक जीत मिलने का अहसास करवाता है। अगले रोज लगता है लड़ाई अब लंबी खिंचेगी। उद्देश्यों पर भू-राजनीति की कई परतें चढ़ती गईं व स्पष्टता गायब हो गई। लड़ाई इसलिए जारी नहीं है कि अंतिम लक्ष्य परिभाषित है, बल्कि इसलिए कि कोई इसे परिभाषित नहीं कर रहा। संघर्ष खुद-ब-खुद खिंचता जा रहा है। आमजन पर असर की हकीकत रणनीति यह भूल जाती है कि इस भटकाव की कीमत कौन चुकाएगा। रणनीतिकार मैदान ए जंग की बातें करता है। नागरिक इसकी अवधि की कीमत चुकाता है। चाय की दुकान पर बैठा व्यक्ति सिद्धांत नहीं पढ़ा होता। वह तो बाधित हुई आपूर्ति शृंखलाओं से बढ़ती कीमतों का दंश झेलता है, जो कभी स्थिर नहीं होतीं क्योंकि युद्ध अंतहीन हो चले हैं। वे अपने परिवारों को युद्धक्षेत्रों में फंसा हुआ पाता है जहां से निकलने की कोई राह नहीं। वह उस अनिश्चितता के साथ जीता है जो राष्ट्र की सोच में रम जाती है। जब युद्ध का कोई निश्चित समय होता है, तो समाज संगठित होता है और उबरता है। जब नहीं होता, तो अर्थव्यवस्था और भावनाएं उसी के अनुरूप आकार लेने लगती हैं। यदि सफलता को परिभाषित न किया जाए, तो वह कभी प्राप्त ही नहीं होती। असफलता तब स्वाभाविक प्रक्रिया बन जाती है। क्षमता का विरोधाभास संघर्ष समाप्त करने के लिए हमारे पास पहले से कहीं अधिक संसाधन हैं, फिर भी हम उन्हें समाप्त करने में असमर्थ हैं।

ड्रोन, साइबर ऑपरेशन और सटीक हमले घोषित युद्ध से इतर दबाव डालने का जरिया बन गए हैं। हम अनिश्चित काल तक न तो शांति और न ही युद्ध की स्थिति बनाए रख सकते हैं। यह एक तरह का जाल है। क्षमता ने निर्णय लेने की शक्ति का स्थान ले लिया है। युद्ध रोकने को जवाबदेही की आवश्यकता पड़ती है। बताने की जरूरत पड़ती है कि क्या पाया और क्या खोया। इसके लिए जिम्मेवारी लेने की जरूरत होती है। किसी नतीजे की घोषणा करने के मुकाबले में यह कह देना आसान है कि परिस्थिति स्वरूप बदल रही है। बल का मापन-बल प्रयोग स्पष्टता और उद्देश्य के साथ किया जाए। लेकिन इसकी वैधता विवेक पर आधारित है। यदि एक थप्पड़ ही काफी है, तो लाठी क्यों? यदि उद्देश्य सुधारना है, तो एक व्यक्ति की गलती के लिए पूरे वर्ग को दंड क्यों? बुनियादी ढांचा युद्धक्षेत्र नहीं होता। यह समाज की जीवनधारा होता है। इस पर चोट करने से आप युद्ध को आकार नहीं दे रहे, बल्कि भविष्य को सजा दे रहे हैं।

पतला दिखना है तो पहनें इन रंगों के कपड़े

ऐसे करें रंगों का सही उपयोग

चाहे आप किसी भी रंग में हों, अपनी ड्रेस को सही फिट में पहनें। ढीली या तंग ड्रेस से बचें, क्योंकि यह आपके शरीर को सही तरीके से दिखाने में मदद नहीं करेगी। अगर आपने स्लिम दिखने के लिए डार्क शेड्स चुने हैं, तो हल्की और स्टाइलिश एक्सेसरीज जैसे कि लाइट रंग की चूड़ियां, बेल्ट आदि को जोड़ सकते हैं, जो आपके लुक को और आकर्षक बनाएंगे। रंगों का सही चयन केवल कपड़ों तक सीमित नहीं रहता। सही मेकअप और हेयर स्टाइल भी आपको एक स्लिम और फिट लुक देने में मदद कर सकते हैं।

अगर आप अपनी फिजीक को स्लिम और फिट दिखाना चाहती हैं, तो केवल व्यायाम और आहार पर ध्यान देना ही पर्याप्त नहीं है। आपकी ड्रेसिंग सेंस भी इसका अहम हिस्सा बन सकती है। सही रंगों का चयन करके आप अपनी बॉडी को आकर्षक तरीके से प्रदर्शित कर सकती हैं। कपड़ों के रंग न केवल आपकी त्वचा के टोन को निखारते हैं, बल्कि वे आपके शरीर के आकार को भी एक नई दिशा दे सकते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि कौन से रंग आपको पतला और ज्यादा फिट दिखा सकते हैं। आइए जानें इन रंगों के बारे में जो आपके व्यक्तित्व को निखारने में मदद करेंगे।

ब्लैक

ब्लैक रंग को फैशन में क्लासिक और मोस्ट फ्लैटर्ड कहा जाता है। ये आपके शरीर को अधिक फिट और पतला दिखाने में मदद करता है क्योंकि ये शरीर के आकार को संकुचित कर देता है और किसी भी अतिरिक्त वजन को छुपा लेता है। ब्लैक रंग को किसी भी अवसर के लिए पहना जा सकता है, चाहे वह ऑफिस हो या पार्टी। यह रंग लगभग हर स्किन टोन पर बहुत अच्छा लगता है और एक रिच लुक देता है। यह रंग मानसिक रूप से शांत रखने और एंग्जायटी (तनाव) को कम करने में मदद करता है।

डार्क ग्रीन

डार्क ग्रीन रंग भी पतला दिखने के लिए बेहतरीन विकल्प है। ये आपके शरीर को एक सॉफ्ट और शार्प लुक देता है। ये रंग भी गहरे शेड्स में आता है, जो बॉडी को स्लिम बनाने का काम करता है। ये रंग हर मौसम में अच्छा लगता है और आसानी से बाकी रंगों के साथ मैच हो जाता है। डार्क ग्रीन (गहरा हरा) रंग की ड्रेस पहनना फैशन, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व के लिहाज से कई तरह से फायदेमंद माना जाता है। डार्क ग्रीन, जैसे एमरल्ड या बोतल ग्रीन, बहुत ही परिष्कृत और शाही लुक देता है। यह पहनने वाले को एक परिष्कृत और आत्मविश्वास से भरा लुक देता है, जो महत्वपूर्ण मीटिंग्स या औपचारिक कार्यक्रमों के लिए आदर्श है।

नेवी ब्लू

ब्लू के विभिन्न शेड्स में से नेवी ब्लू सबसे प्रभावी रंग है, जो आपके शरीर को लंबा और पतला दिखाता है। ये गहरे रंग का होता है, जो न केवल स्लिमिंग इफेक्ट देता है बल्कि आपकी त्वचा के टोन के साथ भी अच्छा मैच करता है। ये रंग आपको एक प्रोफेशनल और स्टाइलिश लुक भी देता है। नीली रंग की ड्रेस पहनना फैशन और व्यक्तित्व दोनों के लिहाज से बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसे अक्सर नया काला भी कहा जाता है, जो स्टाइल और सादगी का सही मिश्रण है। नीली ड्रेस आत्मविश्वास, गंभीरता और विशेषज्ञता का संकेत देती है।

हंसना मना है

फ्रेंड- यार तुम्हारी दुकान मिठाई की है, तो क्या तुम्हारा दिल नहीं करता मिठाई खाने को? संता- यार करता तो बहुत है, लेकिन पापा रसगुल्ले गिन के जाते है, तो.. इसलिए, चूसकर रख देता हूं।

मैं बचपन से इतना प्रतिभाशाली रहा हूं कि रिश्तेदार परीक्षा परिणाम के बाद सिर्फ इतना ही पूछते है, तू पास हुआ या नहीं?

जिन्दगी की बात करते हो, यहां तो मौत भी हम से खफा है, हम ताज क्यों बनाए, अपनी तो मुमताज ही बेवफा है।

अर्ज किया है, फिजा में महकती शाम हो तुम, प्यार का पहला जाम हो तुम, और क्या कहे जानम तुम्हारे बारे में, खर्चे का दूसरा नाम हो तुम..

पठान की बीवी ड्राइवर के साथ भाग गयी, सिंधी- अब क्या करोगे? पठान- करना क्या है अब गाड़ी खुद चलाऊंगा?

पत्नी ने पति को फोन किया। पति- जल्दी बोलो, मैं बहुत बिजी हूं। पत्नी- एक अच्छी और एक बुरी खबर है। पति- सिर्फ अच्छी खबर सुना दो, बुरी खबर सुनने का टाइम नहीं है। पत्नी- अच्छी खबर यह है कि हमारी नई गाड़ी के एयरबैग बिल्कुल सही से काम करते हैं।

कहानी | मूर्ख बगुला और नेवला

कई सालों पहले की बात है, एक जंगल में एक बरगद का पेड़ था। उस बरगद के पेड़ पर एक बगुला रहा करता था। उसी पेड़ के नीचे एक बिल में एक सांप भी रहता था। वह सांप बड़ा ही दुष्ट था। अपनी भूख मिटाने के लिए वह बगुले के छोटे-छोटे बच्चों को खा जाया करता था। इस बात से बेचारा बगुला बहुत परेशान था। एक दिन की बात है, सांप की हरकतों से परेशान होकर बगुला नदी के किनारे जाकर बैठ गया। बैठे-बैठे अचानक उसकी आंखों में आंसू आ गए। बगुले को रोता देख नदी में से एक केकड़ा बाहर आया और बोला, अरे बगुला भैया, क्या बात है? यहां बैठे-बैठे आंसू क्यों बहा रहे हो? क्या परेशानी है? केकड़े की बात सुनकर बगुला बोला, क्या बताऊं केकड़े भाई, मैं तो उस सांप से परेशान हो गया हूं। वह बार-बार मेरे बच्चों को खा जाता है। घोंसला चाहे जितना भी ऊपर बनाऊं, वह ऊपर चढ़ ही जाता है। अब तो उसके कारण दाना पानी लेने के लिए घर से कहीं जाना भी मुश्किल हो गया है। तुम ही कोई उपाय बताओ। बगुले की बात सुनकर केकड़े ने सोचा कि बगुला भी तो अपना पेट भरने के लिए उसके परिवार वालों और दोस्तों को खा जाता है। क्यों न ऐसा कोई उपाय किया जाए कि सांप के साथ साथ बगुले का भी खेल खत्म हो जाए। तभी उसे एक उपाय सूझा। उसने बगुले से कहा, एक काम करो बगुला भैया। तुम्हारे पेड़ से कुछ ही दूर नेवले का बिल है। तुम सांप के बिल से लेकर नेवले के बिल तक मांस के टुकड़े बिछा दो। नेवला जब मांस खाते हुए सांप के बिल तक आएगा तो वह सांप को भी मार देगा। बगुले को यह उपाय सही लगा और उसने ठीक वैसा ही किया जैसा केकड़े ने कहा, लेकिन इसका परिणाम उसे भी भुगतना पड़ा। मांस के टुकड़े खाते-खाते जब नेवला पेड़ के पास आया तो उसने सांप के साथ बगुले को भी अपना शिकार बना लिया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।

वृषभ
संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी।

मिथुन
रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। प्रचार-प्रसार से दूर रहें। संतान के कार्यों पर नजर रखें।

कर्क
क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दु:खद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। वास्तविकता को महत्व दें।

सिंह
नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। खानपान पर नियंत्रण रखें।

कन्या
मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। पराक्रम में वृद्धि होगी।

तुला
यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं। पूंजी निवेश बढ़ेगा।

वृश्चिक
वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें।

धनु
कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मकर
मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। सगे-संबंधी मिलेंगे।

कुम्भ
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें। भाइयों की मदद मिलेगी।

मीन
वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव हो सकता है।

सलमान खान की अगली फिल्म में हुई राजपाल यादव की इंट्री

राजपाल यादव बीते कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में हैं। चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में उन्हें तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करना पड़ा था। फिलहाल उन पर कर्ज है। इस बीच बीते दिनों एक अवॉर्ड शो में कथित तौर पर उनका मजाक उड़ाया गया था। इसके बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर राजपाल यादव को सपोर्ट किया था। भाईजान ने अब राजपाल के प्रति एक बार फिर दरियादिली दिखाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान की अगली फिल्म में राजपाल यादव की एंट्री हो गई है।

सलमान खान इन दिनों अपनी वॉर ड्रामा फिल्म मातृभूमि को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के बाद वे निर्माता दिल राजू और निर्देशक वामशी पेडिपल्ली के साथ एक्शन फिल्म में काम करेंगे। फिल्म का नाम फिलहाल तय नहीं है। इसमें सलमान के साथ नयनतारा नजर आएंगी। वहीं, फिल्म की कास्ट में एक नए नाम के जुड़ने की अटकलें भी हैं।

राजपाल यादव को फिल्म में लिया गया है। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान ने कथित तौर पर राजपाल यादव को अपनी अगली एक्शन एंटरटेनर फिल्म में एक अहम किरदार निभाने के लिए साइन किया है। सलमान की अगली फिल्म को लेकर रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राजपाल यादव इस फिल्म में सलमान खान के राइट हैंड बने दिखेंगे। कहानी में दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। रिपोर्ट में आगे यह भी कहा गया है कि सलमान, राजपाल को खास तौर पर पसंद करते हैं और उनका मानना है कि इस रोल के लिए राजपाल एकदम सही हैं। बता दें कि राजपाल यादव और सलमान को पहले भी मुझसे शादी करोगी और पार्टनर जैसी फिल्मों में साथ देखा गया है। अब दोनों को एक बार फिर साथ देखना दिलचस्प होगा। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

आदिवी शेष ने की मृणाल ठाकुर की जमकर तारीफ, कहा वो जमीन से जुड़ी हैं

मृणाल ठाकुर जल्द ही अपनी आगामी तेलुगु-हिंदी फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ आदिवी शेष प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे। अब आदिवी शेष ने मृणाल की जमकर तारीफ की है और उन्हें फिल्म के लिए सबसी अच्छी चीजों में से एक बताया है। हालांकि, मृणाल की फिल्म में एंट्री एक अन्य एक्ट्रेस के फिल्म से बाहर होने के बाद हुई है।

जूम के साथ बातचीत के दौरान आदिवी शेष ने मृणाल ठाकुर की तारीफ करते हुए कहा कि मैंने आज तक जितने भी लोगों से मुलाकात की है, उनमें से वह सबसे ज्यादा जमीन से जुड़ी हुई हैं। जब भी हम सीन पर चर्चा करते थे, वह सचमुच जमीन पर बैठ जाती थीं। वह एक बेहद खूबसूरत अभिनेत्री हैं और मुझे लगा कि उन्होंने जो कुछ भी किया, वह कमाल का था। उनकी आंखों में जो सहानुभूति और भाव झलकते हैं, वैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा। स्क्रीन पर उन्हें देखते ही लोगों के साथ एक झटपट जुड़ाव महसूस होता है।

शूटिंग के शुरुआती दिनों को याद करते हुए आदिवी शेष ने कहा कि पहले कुछ दिनों तक मृणाल हर दिन अलग मूड में सेट पर आती थीं। हमें समझ नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। एक दिन वह खुश और चुलबुली होती थीं और अगले ही दिन गंभीर हो जाती थीं। हालांकि, तीसरे दिन मुझे एहसास हुआ कि वह बस सीन के हिसाब से प्रतिक्रिया दे रही थीं।

वह सेट पर आने से पहले ही तैयारी कर रही थीं और वास्तव में उस किरदार के मूड में ढल रही थीं, जिसे वह निभाने वाली थीं। 'डकैत' में पहली बार आदिवी शेष डांस करते भी नजर आएंगे। इसको लेकर एक्टर का कहना है कि इस फिल्म ने मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर निकाला है। डकैत ने मेरे बचपन के डांस के डर को दूर किया और मुझे लोगों की प्रतिक्रिया देखकर बहुत खुशी हुई। गाना रिलीज हुए कुछ ही हफ्ते हुए हैं और यह अभी भी टॉप 20 में ट्रेंड कर रहा है। मुझे लगता है यह बहुत ही कमाल की बात है।

बॉलीवुड | मन की बात

अर्जुन कपूर के क्रिप्टिक पोस्ट से फैंस हुए चिंतित

अर्जुन कपूर लंबे वक्त से बड़े पर्दे से गायब हैं। हाल ही में अर्जुन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक क्रिप्टिक स्टोरी पोस्ट साझा की है। यह पोस्ट देखते-देखते वायरल हो गई और लोग अर्जुन की इस पोस्ट का अलग-अलग मतलब निकालने लगे। एक ओर जहां उनके चाहने वाले इस पोस्ट से चिंतित हो गए, तो वहीं अन्य नेटिजंस भी अर्जुन की इस पोस्ट के मायने समझने का प्रयास करने लगे। अर्जुन कपूर ने अपने इंस्टाग्राम की स्टोरीज में संदेश लिखा। इसमें उन्होंने लिखा, 'अंत को स्वीकार करो, भले ही वह तुम्हारी इच्छा के अनुसार खत्म न हुआ हो।' अर्जुन की इस क्रिप्टिक पोस्ट के सामने आते ही उनके फैंस चिंतित हो गए। तो वहीं उनके इस संदेश के अर्थ को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जाने लगीं। मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गए। जहां यूजर्स संदेश के भावनात्मक पहलू पर चर्चा करने लगे। इस अस्पष्ट कथन के कारण कई लोगों ने सवाल उठाया कि क्या यह किसी निजी बात की ओर इशारा करता है और फैंस ने अभिनेता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जाहिर की। सिंपल लेकिन भावपूर्ण इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर लोगों के दिलों को छू लिया। इसके खुलेपन ने प्रतिक्रियाओं की एक लहर पैदा कर दी, जिसमें यूजर्स इसके पीछे के अर्थ को समझने की कोशिश कर रहे थे। कुछ ने उनकी मानसिक स्थिति के बारे में अटकलें लगाईं, जबकि अन्य ने सोशल मीडिया पर उनके साथ होने वाली कड़ी ट्रोलिंग की ओर इशारा किया। कुछ यूजर्स ने उनके हालिया करियर से जुड़ी घटनाओं का जिक्र किया, जिनमें फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के साथ उनका जुड़ाव भी शामिल है। वहीं कुछ अन्य लोगों ने सवाल उठाया कि क्या यह पोस्ट निजी रिश्तों या पारिवारिक मामलों से संबंधित है। हालांकि, अभिनेता की ओर से अभी तक कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है।

ये है दुनिया की सबसे पतली बिल्डिंग इसे देखकर चकरा जाएगा सिर

दुनियाभर में ऐसी कई इमारतें हैं, जो अपनी वास्तुकला या इतिहास की वजह से लोगों को हैरान कर देती हैं। लेकिन आज हम आपको कनाडा के वैंकूवर में स्थित एक ऐसी इमारत के बारे में बताने जा रहे हैं, जो अपनी पतली बनावट के कारण विश्व रिकॉर्ड बना चुकी है। इसका नाम सैम की बिल्डिंग है, जिसे देखकर कोई भी दांतों तले उंगली दबा ले। वैंकूवर के पेंडर स्ट्रीट पर स्थित यह इमारत गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दुनिया की सबसे संकरी या सबसे कम गहरी व्यावसायिक इमारत के रूप में दर्ज है। महज 4 फीट 11 इंच की चौड़ाई वाली यह दो मंजिला इमारत कोई वास्तुकला का चमत्कार नहीं, बल्कि एक चीनी व्यापारी के अपमान और गुस्से से उपजा विरोध का प्रतीक है, जिसने सरकार को अपनी जिद के आगे झुकने पर मजबूर कर दिया। वैंकूवर के 8 वेस्ट पेंडर स्ट्रीट पर स्थित यह इमारत इतनी पतली है कि पहली बार देखने पर यह पीछे वाली बड़ी बिल्डिंग का हिस्सा मात्र लगती है। इस इमारत के पीछे की कहानी साल 1902 में शुरू होती है, जब एक बेहद सफल चीनी व्यापारी चांग टॉय (जिन्हें वहां सैम की के नाम से जाना जाता था) ने कैरल और पेंडर स्ट्रीट के कोने पर एक सामान्य आकार का प्लॉट खरीदा था। साल 1912 में नगर सरकार ने सड़क चौड़ी करने का फैसला लिया और चांग टॉय की संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा हड़प लिया। टॉय के पास सामने की तरफ जमीन की सिर्फ एक पतली पट्टी बची, जिस पर कोई भी कमर्शियल निर्माण करना नामुमकिन लग रहा था। जब सरकार ने उन्हें उचित मुआवजा देने से इनकार कर दिया, तो चांग टॉय ने इसे अपनी बेइज्जती समझा। उस समय एशियाई प्रवासियों के साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाते हुए उन्होंने जिद में आकर उसी बची हुई जमीन पर दो मंजिला इमारत खड़ी करने का फैसला किया। चांग टॉय ने छोटी सी जगह पर अपनी बिल्डिंग को बनाने के लिए आर्किटेक्ट ब्राउन और गिलम को काम पर रखा और एक ऐसी स्टील-फ्रेम वाली इमारत डिजाइन करवाई, जो बची हुई जमीन में फिट हो सके। इस इमारत के ग्राउंड फ्लोर की चौड़ाई मात्र 4 फीट 11 इंच है। वहीं दूसरी मंजिल पर बे विंडोज का इस्तेमाल किया गया है, जो फुटपाथ के ऊपर की ओर निकलती हैं, जिससे ऊपर की मंजिल की चौड़ाई बढ़कर 6 फीट हो जाती है।

अजब-गजब | इस देश से है भारत का 36 का आंकड़ा

पूरी दुनिया की दो-तिहाई से ज्यादा यानी 100 में से करीब 70 फुटबॉल इसी शहर के कारखानों में किये जाते हैं तैयार

दुनियाभर में फुटबॉल का क्रेज किसी से छिपा नहीं है। छोटे-छोटे गांवों से लेकर बड़े-बड़े स्टेडियम तक, हर जगह लोग इसे बड़े ही जुनून के साथ खेलते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जिस फुटबॉल से ये बड़े मैच खेले जाते हैं, वह आखिर बनती कहां है? आइए जानते हैं इस देश के बारे में। एक और दिलचस्प बात यह है कि जिस देश में सबसे ज्यादा फुटबॉल बनती हैं, उसका भारत से 36 का आंकड़ा भी रहता है।

दरअसल, दुनिया में इस्तेमाल होने वाले ज्यादातर फुटबॉल जिस देश में बनती हैं, उसका नाम पाकिस्तान है। पाकिस्तान के पूर्वोत्तर में कश्मीरी सीमा से सटे शहर सियालकोट में इन्हें बनाया जाता है। जानकारी के मुताबिक, पूरी दुनिया की दो-तिहाई से ज्यादा यानी 100 में से करीब 70 फुटबॉल इसी शहर के कारखानों में तैयार की जाती हैं।

आपको जानकर हैरानी होगी कि पाकिस्तान के सियालकोट में बनने वाली करीब 80 प्रतिशत फुटबॉल आज भी हाथ से सिली जाती हैं। यही वजह है कि इन गेंदों की क्वालिटी और मजबूती दुनियाभर में मशहूर है।

हाथ से सिलाई करने की प्रक्रिया गेंद को ज्यादा टिकाऊ बनाती है, जिससे वह लंबे समय तक खराब नहीं होती। इसके साथ ही ये गेंदें एयरोडायनेमिक्स के नियमों के अनुसार बेहतर प्रदर्शन करती हैं, यानी हवा में इनकी गति और दिशा ज्यादा संतुलित रहती है। माना जाता है कि हाथ से सिली गई गेंदें मशीन से बनी गेंदों की तुलना में ज्यादा मजबूत और स्थिर होती हैं। इनमें धागों का तनाव भी बेहतर होता है, जिससे खेल के दौरान गेंद का कंट्रोल और संतुलन बना रहता है। यही कारण है कि इंटरनेशनल स्तर पर भी ऐसी फुटबॉल को काफी पसंद किया जाता है। कतर 2022 फीफा विश्व कप की आधिकारिक गेंद एडिडास अल रिहला भी पाकिस्तान के सियालकोट में ही बना गया था। फुटबॉल बनाने में सिंथेटिक चमड़े का इस्तेमाल किया जाता है, जिसे तैयार करने के लिए कपास, पॉलिएस्टर और पॉलीयुरेथेन जैसे कच्चे माल अलग-अलग देशों से मंगाए जाते हैं। इन सामग्रियों की क्वालिटी के आधार पर ही गेंद की क्वालिटी तय होती है। आमतौर पर कम कीमत वाली फुटबॉल बनाने के लिए सस्ती चीनी आइटम का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे उनकी लागत कम रहती है।

वहीं बेहतर क्वालिटी वाली गेंदों के लिए दक्षिण कोरिया से आने वाली उच्च गुणवत्ता की सामानों का इस्तेमाल किया जाता है, जो उन्हें ज्यादा मजबूत और टिकाऊ बनाती है। इसके अलावा, जर्मन बुंडेसलिगा और अन्य यूरोपीय लीग्स में इस्तेमाल होने वाली प्रीमियम फुटबॉल तैयार करने के लिए जापानी सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। यही वजह है कि इन गेंदों की परफॉर्मेंस और क्वालिटी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे बेहतर मानी जाती है।

सीएपीएफ बिल सरकार आने पर रद्द करेंगे : राहुल

» नेता प्रतिपक्ष बोले- भेदभावपूर्ण है व्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस आने वाले समय सीएपीएफ व महिला आरक्षण बड़ा कदम उठाएगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कहा है कि उनकी सरकार आने पर सीएपीफ कानून को हटाएंगे। इसके अलावा पार्टी ने महिला आरक्षण बिल को लेकर अपनी रणनीति को धार देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने शुक्रवार को दिल्ली में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की अहम बैठक बुलाई, जिसमें इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गयी। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब महिला आरक्षण को लेकर देशभर में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी सत्ता में आएगी तो केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीफ) में भेदभावपूर्ण व्यवस्था को खत्म कर देगी। सीआरपीएफ के शौर्य दिवस पर एक लंबे-चौड़े एक्स पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा है कि उनकी सरकार आने पर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सीएपीएफ के जवानों को शीर्ष पद पर जाने का भी अवसर मिले। इसके बाद उन्होंने लिखा है कि सालों की सेवा, त्याग और तपस्या के बाद भी सीएपीएफ जवानों को वक्त पर प्रमोशन नहीं दिया जाता। न ही उन्हें अपने फोर्स की लीडरशिप दी जाती है, क्योंकि शीर्ष पद फोर्स से बाहर के लोगों के लिए आरक्षित हैं।

सीआरपीएफ शौर्य दिवस पर जवानों को दी बधाई

उन्होंने सीआरपीएफ शौर्य दिवस पर जवानों के साहस और वीरता के लिए उन्हें बधाई और सम्मान दिया है। आपका साहस और बलिदान हर दिन हमारे देश की रक्षा करता है। आप सीमाओं पर तैनात रहकर देश को सुरक्षित रखते हैं, आतंकवाद और नक्सलवाद से लोहा लेते हैं, और लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव, चुनावों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाते हैं।

खेड़ा को हाईकोर्ट से मिली राहत

» 1 हफ्ते के लिए अंतरिम जमानत मिली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को कोर्ट से एक हफ्ते की अंतरिम जमानत मिली है, वे अब नियमित जमानत के लिए अदालत जाएंगे। पवन खेड़ा ने असम मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी पर तीन विदेशी पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया थाअसम पुलिस ने पवन खेड़ा के दिल्ली स्थित घर पर पूछताछ के लिए संपर्क किया था, लेकिन वे वहां मौजूद नहीं थे। बता दें कि खेड़ा 7 अप्रैल से फरार चल रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी पर 3 विदेशी पासपोर्ट रखने के आरोप लगाने वाले पवन खेड़ा से पूछताछ के लिए असम पुलिस, दिल्ली पुलिस के साथ उनके दिल्ली वाले घर पर पहुंची थी लेकिन वे वहां नहीं मिले थे।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने असम सरकार द्वारा उनके खिलाफ दर्ज किए गए मामले में अग्रिम जमानत का अनुरोध हुए बुधवार को तेलंगाना उच्च न्यायालय का रुख किया था। इस दौरान कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख खेड़ा ने अपना आवासीय पता हैदराबाद में बताया था। उन्होंने हाई कोर्ट से अनुरोध किया था कि गिरफ्तारी की स्थिति में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया जाए। बता दें कि पवन खेड़ा की तेलंगाना की हैं और हैदराबाद में उनका खुद का घर भी है, साथ ही तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार भी है। सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने पवन खेड़ा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई के संकेत सोमवार को ही दे दिए थे। पुलिस जब पूछताछ के लिए उनके घर पहुंची तो वे मिले ही नहीं। सीएम हिमंता ने तंज कसते हुए कहा था कि पहले वह कह रहे थे मुझे अरेस्ट करो। पुलिस गई, तो वे हैदराबाद चले गए, हमारे हिसाब से पवन खेड़ा भाग गए हैं। इससे पहले कल तेलंगाना उच्च न्यायालय ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी थी। असम के महाधिवक्ता द्वारा बहस करने की इच्छा जताने के बाद यह स्थगन हुआ, यह मामला खेड़ा के चुनावी नामांकन पत्रों में कथित तौर पर जानकारी छिपाने से संबंधित है। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के कानूनी प्रकोष्ठ के अधिवक्ता पोन्नम अशोक गौड़ ने गुरुवार को बताया कि असम के अधिवक्ता जनरल द्वारा मामले पर बहस करने की इच्छा जताए जाने के बाद तेलंगाना उच्च न्यायालय में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी गई।

नीतीश कुमार ने ली राज्यसभा की शपथ

» जल्द बिहार के सीएम पद से देंगे इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को दिल्ली स्थिति संसद भवन में राज्यसभा की शपथ ली।इसके साथ ही उनका एक नया सियासी सफर शुरू हो गया है। अब आगे वे बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे। माना जा रहा है कि वे दिल्ली से पटना जाने के बाद 14 अप्रैल को इस्तीफा दे सकते हैं। इस्तीफे से पहले विधानमंडल दल की बैठक की संभावना है। इसमें नेता का चयन होगा। 15 अप्रैल को बिहार में नई सरकार का गठन हो सकता है। अब कौन मुख्यमंत्री होगा यह देखने वाली बात होगी। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण के बाद आरजेडी की प्रतिक्रिया आई है। आरजेडी नेता शक्ति सिंह यादव ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा है, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जी की दूरदर्शिता और भविष्यवाणी आज अक्षरश: सच साबित हुई है।

सत्ता की लालच में सुशासन का ढोंग रचने वाली भाजपा और जदयू के लोग छाती पीटकर नारा दे रहे थे कि 25 से 30 फिर से नीतीश, लेकिन तेजस्वी जी ने डंके की चोट पर ऐलान कर दिया था कि 25 से 30 नीतीश हो जाएंगे फिनिश! आगे कहा, आज भाजपा के षड्यंत्र ने अपना रंग दिखा दिया है और नीतीश कुमार जी का राजनीतिक अध्याय बलात समाप्त कर दिया गया है। भूंजा पार्टी का पूरी तरह गेम ओवर हो चुका है और जदयू रसातल में जा चुकी है। जनादेश की चोरी कर सीनाजोरी करने वालों का यही हश्र होना था। बिहार की राजनीति से अब इन अवसरवादियों का पूर्ण सफाया तय है।

अपने ही साम्राज्य में सत्ता हथियाने की कोशिक कर रहा चुनाव आयोग: चिदंबरम

» कांग्रेस के वरिष्ठ ने सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व फैसले का हवाला देकर सीईसी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने चुनाव आयोग व मुख्य चुनाव आयुक्त पर हमला बोला है। उन्होंने तमिलनाडु के मुख्य सचिव के प्रतिस्थापन के संबंध में ईसी की हालिया कार्रवाई पर चिंता व्यक्त की, और सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व फैसले का हवाला दिया जिसमें चुनाव आयोग को अपने ही साम्राज्य में सत्ता हथियाने के खिलाफ चेतावनी दी गई थी। एक पोस्ट में चिदंबरम ने कहा कि कुछ साल पहले, सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में चुनाव आयोग को अपने ही साम्राज्य में सत्ता हथियाने' के खिलाफ चेतावनी दी थी वह दूरदर्शी टिप्पणी थी।

चिदंबरम ने आगे कहा कि तमिलनाडु में एक ईमानदार, कुशल और निष्पक्ष मुख्य सचिव का तबादला और चुनाव आयोग द्वारा टीएमसी के चार सांसदों के साथ किए गए उपेक्षापूर्ण व्यवहार से सुप्रीम कोर्ट की आशंका की पुष्टि होती प्रतीत होती है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए उस पर एकतरफा कार्रवाई करने और कथित तौर पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। स्टालिन ने यह भी उल्लेख किया कि केंद्र ने विधानसभा चुनाव करा रहे अन्य राज्यों में शीर्ष सरकारी और पुलिस अधिकारियों को नहीं बदला। बुधवार को, चुनाव आयोग ने एन मुरुगनंदम के स्थान पर साई कुमार को तमिलनाडु का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया।

स्टालिन ने भी चुनाव आयोग की कड़ी निंदा की

स्टालिन ने भी एक पोस्ट में कहा कि मैं चुनाव आयोग की कड़ी निंदा करता हूं, जो भाजपा के समर्थन में सीधे प्रचार किए बिना चुनावी मैदान में पूरी तरह सक्रिय है, और अब तमिलनाडु के मुख्य सचिव को बदलकर एकतरफा और अतिवादी राजनीतिक कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराने का दायित्व प्राप्त चुनाव आयोग का भाजपा के शासन में उसके आदेशों का पालन करना शर्मनाक है। चुनाव आयोग को संवैधानिक संरक्षण भाजपा के लिए चुनावी कार्य करने के लिए नहीं दिया गया है।

महाभियोग से पहले यशवंत वर्मा ने राष्ट्रपति को भेजा इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कैश कांड मामले में नाम आने के बाद जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की तैयारी चल रही थी। इसी बीच जस्टिस वर्मा ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा भेजा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा ने शुक्रवार को ये फैसला लिया है। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश रहे यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास से कथित तौर पर नकदी मिली थी। इसे लेकर विवाद गहरा गया और उनके खिलाफ महाभियोग की तैयारी चल रही थी।

जस्टिस यशवंत वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी आवास से 15 मार्च 25 को 500 रुपए के जले और अधजले नोट मिले थे। इसका एक वीडियो भी खूब वायरल हुआ था। इसके बाद न्यायमूर्ति वर्मा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। उन्होंने आरोपों से इनकार किया और उसे साजिश बताया था। हालांकि, मामले ने तूल पकड़ा, विवाद संसद तक पहुंच गया था।

मुकुल का करिश्मा : एलएसजी ने 3 विकेट से जीता मैच

» चौधरी ने सिर्फ 27 गेंदों में बनाए 54 रन, केकेआर की लगातार तीसरी हार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। मुकुल चौधरी (54*) और आयुष बडोनी (54) की तूफानी अर्धशतकीय पारियों की मदद से लखनऊ सुपर जाएंट्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को तीन विकेट से हरा दिया। गुरुवार को ईडेन गार्डेन्स में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता ने 20 ओवर में चार विकेट पर 181 रन बनाए। जवाब में लखनऊ ने 20 ओवर में सात विकेट पर 182 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

यह लखनऊ की लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले टीम ने हैदराबाद के खिलाफ पांच विकेट से मुकाबला जीता था। इस जीत के साथ लखनऊ की टीम अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई। उनके खाते में चार अंक हैं और नेट रन रेट -0.359 का है। वहीं, कोलकाता लगातार तीन मैचों में हार और एक मुकाबला बेनतीजा रहने की वजह से -1.315 के नेट रन रेट के साथ अंक तालिका में नौवें पायदान पर है। इससे पहले लखनऊ को मिचेल मार्श और एडेन मार्करम ने सधी हुई शुरुआत दी। लेकिन वैभव ने तीन गेंदों के अंदर ही एलएसजी के दोनों सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। हालांकि, आयुष बदोनी ने 34 गेंदों में 54 रन बनाए। अंत के ओवरों में मुकुल चौधरी ने सिर्फ 27 गेंदों में 54 रनों की नाबाद पारी खेलकर लखनऊ सुपर जायंट्स को यादगार जीत दिलाई। इससे पहले टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता के लिए अजिंक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी ने दूसरे विकेट के लिए 52 गेंदों में 84 रनों की अहम साझेदारी निभाई। रहाणे ने 41 रन बनाए, जबकि अंगकृष ने 45 रन बनाए। इसके बाद कैमरून ग्रीन और रोवमैन पॉवेल ने पांचवें विकेट के लिए 40 गेंदों में 70 रनों की अटूट साझेदारी निभाई।

लखनऊ को लगा झटका, वानिंदु हसरंगा टूर्नामेंट से हुए बाहर

कोलकाता। श्रीलंका के लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा चोट के कारण मौजूदा आईपीएल सीजन से बाहर हो गए हैं। उनकी फ्रेंचाइजी, लखनऊ सुपर जाएंट्स ने इसकी पुष्टि कर दी है। फरवरी में लगी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण हसरंगा अभी तक पूरी तरह से उबर नहीं पाए हैं। लखनऊ सुपर जाएंट्स अगले 24-48 घंटों के भीतर श्रीलंकाई स्पिनर की जगह लेने वाले वैकल्पिक खिलाड़ी की घोषणा कर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर जॉर्ज लिंडे को हसरंगा के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किए जाने की संभावना है। इस बाएं हाथ के गेंदबाज ने अभी तक आईपीएल में कोई मैच नहीं खेला है। जॉर्ज लिंडे ने अपना आखिरी टी20 मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई द्विपक्षीय सीरीज की चार पारियों में केवल एक ही विकेट हासिल किया था।

महिला आरक्षण पर फिर बवाल कांग्रेस ने भाजपा सरकार को घेरा

» प्रधानमंत्री मोदी के हालिया लेख पर भी कड़ी प्रतिक्रिया

» जयराम रमेश का पीएम मोदी पर तीखा हमला

» बोले-हार के डर से 30 महीने बाद बदला मन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महिला आरक्षण को लेकर फिर बवाल मच गया। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया लेख पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे चुनावी हथकंडा करार दिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में महिलाओं का समर्थन हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे पर यू-टर्न लिया है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को देश की महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, 'प्रधानमंत्री ने खुद को लोकसभा और विधानसभाओं में महिला आरक्षण के एकमात्र चैंपियन के रूप में पेश करने की कोशिश में मीडिया में लेख लिखना शुरू कर दिया है। दरअसल, उन्हें भारत की महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए।' उन्होंने कहा कि जब नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 23 को उसी वर्ष संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया था तो कांग्रेस ने इसे 24 से ही लागू करने की मांग की थी, लेकिन यह प्रधानमंत्री को स्वीकार्य नहीं था।उन्होंने कहा कि यह इस तथ्य के बावजूद है कि उनके जनगणना पंजीयक ने स्पष्ट किया है कि जनगणना के परिणाम 27 तक सामने आ जाएंगे। कांग्रेस नेता ने कहा, ''यह एक कहानी है जो झूठ और गोलमोल बातों पर आधारित है। यह सब इस उम्मीद से किया गया है कि तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की महिलाएं भाजपा का समर्थन करेंगी। आख़िरकार, भाजपा के पास इन राज्यों में किसी अन्य मुद्दे पर कोई सार्थक विमर्श नहीं है।

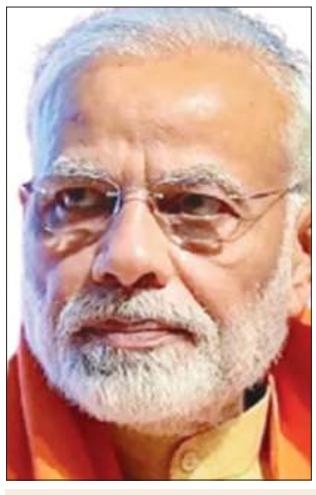

पीएम के पाखंड और धोखे की कोई सीमा नहीं

रमेश ने दावा किया, ''यह मोदी सरकार का यू-टर्न है, जो विपक्ष के साथ जुड़ने की उसकी अनिच्छा और योजना की पूर्ण कमी को उजागर करता है।'' उन्होंने आरोप लगाया , ''प्रधानमंत्री मोदी पहले से ही यू-टर्न का श्रेय लेने का दावा कर रहे हैं। उनके पाखंड और धोखे की कोई सीमा नहीं है। यह सब शासन में उनकी बड़ी विफलताओं और विदेश नीति में गंभीर झटकों को छुपाने के लिए है।

निर्वाचन आयोग को केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालय बनाया

उनका कहना है कि प्रधानमंत्री ने महिला आरक्षण को परिसीमन और उस जनगणना की कवायद पर निर्भर बना दिया था, जिसे वह कराने में विफल रहे और फिर कई वर्षों तक टालते रहे। रमेश ने दावा किया, ''अब जब निर्वाचन आयोग के केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालय के रूप में कार्य करने के बावजूद विधानसभा चुनावों में (भाजपा की) हार तय नजर आ रही है तब 30 महीनों बाद प्रधानमंत्री ने अपना मन बदल दिया है। वह चाहते हैं कि हम जनगणना को भूल जाएं और जनगणना आधारित परिसीमन को इस आधार पर भूल जाएं कि इसमें बहुत लंबा समय लगेगा।

दो कारों की टक्कर में छह लोगों की मौत

» छत्तीसगढ़ के कांकेर में हुआ हादसा, तीन गंभीर रूप से घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जगदलपुर। कांकेर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम नथिया के पास बीती रात 2 कारों में भीषण भिड़ंत हो गई, इस घटना में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुचाया गया, जबकि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

मामले कि जानकारी देते हुए कोतवाली थाना प्रभारी ने बताया कि लखनपुरी निवासी एक ही परिवार के सात लोग शादी कार्यक्रम के लिए कांकेर आए हुए थे। देर रात शादी कार्यक्रम से वापस लौटने के दौरान अचानक से नथिया गांव के पास सामने से आ रही एक अन्य कार से टक्कर हो गई, इस हादसे में एक सात साल के बच्चे समेत छह लोगो की मौत हो गई, जबकि सामने कार चालक तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जबकि मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

मऊ में एक ही गांव के तीन युवकों की मौत

मऊ जिले के घोसी कोतवाली के जामडीह के पास बृहस्पतिवार की रात 11 बजे तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार तीन दोस्तों की मौत हो गई। तीनों एक ही बाइक से घर लौट रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को जिला अस्पताल भिजवाया। मधुबन थाना क्षेत्र के बीबीपुर गांव निवासी बेचन यादव (30), प्रमोद यादव (28) और आजाद यादव (32) बृहस्पतिवार की रात घोसी स्थित निजी अस्पताल में दोस्त को खाना पहुंचाने गए थे। दोस्त की पत्नी ने बच्चे को जन्म दिया था, जिसके चलते अस्पताल में भर्ती थी। तीनों एक ही बाइक से खाना पहुंचाकर घर लौट रहे थे। अभी जामडीह के पास पहुंचे थे कि सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों बाइक सहित 20 मीटर दूर जा गिरे। दुर्घटना के बाद चालक बोलेरो छोड़कर भाग गया।

असम गए सफाईकर्मी, कूड़े में डूबा लखनऊ, सिस्टम बेबस

» नगर निगम की व्यवस्था ठप गर्मी के साथ बीमारी का खतरा बढ़ा

» सपा नेता मोहम्मद एबाद ने मेयर की कार्यशैली पर उठाये सवाल!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नवाबों का शहर लखनऊ इन दिनों कूड़े के ढेर में कराह रहा है। वजह साफ है शहर की गारबेज कलेक्शन व्यवस्था जिन हाथों में थी वह हाथ फिलहाल शहर से गायब हैं। असम के रहने वाले बड़ी संख्या में सफाईकर्मी मतदान के लिए अपने गृह राज्य लौट गए हैं और उनके जाते ही नगर निगम की व्यवस्था मानो चरमराकर बैठ गई है। हालात ऐसे हैं कि घर घर से कूड़ा उठना बंद हो गया है और गलियों मोहल्लों में गंदगी का अंबार लग चुका है।

लखनऊ की कूड़ा प्रबंधन व्यवस्था लंबे समय से इन बाहरी कामगारों पर टिका है। लखनउ में असम के रहने वाले लोगों के कंधों पर रोजाना हजारों घरों से कूड़ा इकट्ठा करने का जिम्मा था। लेकिन जैसे ही ये लोग चुनावी कर्तव्य निभाने के लिए असम रवाना हुए शहर की सफाई व्यवस्था की पोल खुल गई। नगर निगम के पास कोई वैकल्पिक योजना नहीं दिखी और नतीजा सामने है हर गली में बजबजाता कूड़ा हर मोहल्ले में बदबू का साम्राज्य।

स्थिति की गंभीरता इस बात से समझी जा सकती है कि यह वही समय है जब मौसम बदल रहा है। ठंड खत्म हो चुकी है और गर्मी दस्तक दे रही है। यह मौसम वैसे ही बीमारियों के फैलने के लिए संवेदनशील माना जाता है और अब कूड़े के ढेर इस खतरे को कई गुना बढ़ा रहे हैं।

मच्छर मक्खियां और बदबू तीनों मिलकर शहरवासियों के स्वास्थ्य पर सीधा हमला कर रहे हैं। कूड़ा अब केवल असुविधा नहीं बल्कि एक संभावित स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है। स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या नगर निगम की पूरी व्यवस्था कुछ चुनिंदा कामगारों पर ही निर्भर है? अगर हां, तो फिर वैकल्पिक इंतजाम क्यों नहीं किए गए? क्या प्रशासन को पहले से यह अंदाजा नहीं था कि चुनाव के दौरान ये कामगार अपने घर जाएंगे?

सपा नेता मोहम्मद एबाद ने मेयर पर बोला सीधा हमला

इस पूरे मामले को लेकर समाजवादी पार्टी के नेता मोहम्मद एबाब ने भी नगर निगम और मेयर पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सीधे तौर पर मेयर को ललकारते हुए कहा है कि शहर की इस गंभीर समस्या पर तुरंत ध्यान दिया जाए। मोहम्मद एबाद का कहना है कि यह केवल सफाई का मुद्दा नहीं बल्कि जनस्वास्थ्य से जुड़ा मामला है जिसमें लापरवाही किसी बड़े संकट को जन्म दे सकती है। अब सवाल यह है कि क्या नगर निगम इस बिगड़ी हुई स्थिति को संभाल पाएगा या फिर लखनऊ के लोगों को इसी तरह गंदगी और बीमारी के खतरे के बीच जीने के लिए मजबूर होना पड़ेगा? फिलहाल शहर की सड़कों पर पसरा कूड़ा और उठती बदबू यही कहानी बयां कर रही है कि सिस्टम कहीं न कहीं नाकाम साबित हुआ है।

यूपी में एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में साढ़े पांच माह चले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान के बाद अंतिम मतदाता सूची शुक्रवार को जारी कर दी गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने इसको जारी किया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि यूपी में अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। फाइनल लिस्ट में 13.39 करोड़ 84 हजार के नाम हैं। उत्तर प्रदेश की सूची में 84 लाख मतदाता बढ़े हैं। प्रदेश में छह करोड़ से अधिक महिला मतदाता हैं। मतदाता सूची कई मायनों में अहम मानी जा रही है, क्योंकि व्यापक स्तर पर सत्यापन, आपत्तियों के निस्तारण और नए पंजीकरण की प्रक्रिया के बाद इसको तैयार किया गया। प्रदेश में अंतिम मतदाता सूची में करीब 13.35 करोड़ मतदाता होने का अनुमान है। यह संख्या वर्ष 25 की मतदाता सूची की तुलना में लगभग दो करोड़ से कम हो सकती है।

जाति जनगणना रोकने की मांग वाली याचिका खारिज

» सीजेआई ने लगाई याचिकर्ता को फटकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सीजेआई सूर्यकांत ने एक याचिककर्ता को कड़े शब्दों में फटकार लगा दी। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार को जाति जनगणना रोकने, संसाधनों के पुनर्वितरण को जनसंख्या उत्तरदायित्व से जोड़ने और एक बच्चे वाले परिवारों को आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान करने वाली नीतियां बनाने का निर्देश देने वाली याचिका लगाई गई थी।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने इस याचिका को खारिज कर दिया। इस दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने याचिकाकर्ता से कहा, आप इस याचिका में इस्तेमाल की गई भाषा कहां से सीखते हैं? ये बदतमीजी की भाषा कहां से लेकर आते हैं आप लोग? आप लोग याचिका कैसे लिखते हैं? अदालत ने जनहित याचिका में इस्तेमाल की गई भाषा के लिए याचिकाकर्ता की आलोचना की। सीजेआई सूर्यकांत ने व्यक्तिगत रूप से पेश हुए याचिकाकर्ता से कहा, आपने अपनी याचिका में बदतमीजी की भाषा लिखी है।

सीजफायर के बीच अमेरिका को लगा झटका

» एमक्यूवाईसी ट्राइटन लापता होर्मुज के ऊपर से ही गायब हो गया 1800 करोड़ का ड्रोन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका-ईरान के बीच हुए सीजफायर के ठीक दो दिन बाद अमेरिका का निगरानी ड्रोन, ड्रोन एमक्यूवाईसी ट्राइटन , होर्मुज स्ट्रेट से लापता हो गया है। यह अमेरिकी नौसेना का सबसे महंगा और अत्याधुनिक निगरानी ड्रोन है। जो तीन घंटे की निगरानी पूरी करने के बाद अपनी बेस पर लौटते वक्त रडार से ओझल हो गया।

अमेरिकी नौसेना का एक निगरानी ड्रोन, एमक्यू-4सी ट्राइटन की कीमत 200 मिलियन डॉलर (लगभग 1,800 करोड़ रुपये) है। यह ड्रोन अपनी उच्च-ऊंचाई और लंबी दूरी की क्षमताओं के लिए जाना जाता है। फिलहाल अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ड्रोन तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुआ है या इसे मार गिराया गया है। इस दौरान इसे ट्रैक किया गया और वह तेजी से ऊंचाई खोता हुआ दिखाई दिया, जिसके बाद वह गायब हो गया। दी वॉर जोन की रिपोर्ट के मुताबिक, उड़ान के दौरान इसने इमरजेंसी अलर्ट भी भेजा था। बताते चलें कि ड्रोन के लापता होने की घटना अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम पर सहमति बनने के दो दिन बाद हुई है, जिसमें ईरान ने होर्मुज को जहाजरानी यातायात के लिए फिर से खोलने पर सहमति जताई थी।

अपने बेस पर लौटते वक्त हुआ गायब

ऑनलाइन फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट, ड्रोन ने फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट की लगभग तीन घंटे की निगरानी पूरी की। इसके बाद ऐसा लग रहा था कि वह इटली के सिगोनेला नौसैनिक हवाई अड्डे पर अपने बेस पर लौट रहा था। ड्रोन ने ईशान की ओर थोड़ा सा मोड़ लिया और कोड 7700 (सामान्य आपातकाल के लिए) भेजकर नीचे उतरना शुरू कर दिया।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com |website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा